भारत सरकार

गृह मंत्रालय

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 2070**

दिनांक 17.12.2013/ 26 अग्रहायण, 1935 (शक) को उत्तर के लिए

**शिक्षकों के रिक्त पद**

2070. डॉ0 बलीराम :

क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली नगर निगम (एम.सी.डी.) और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् (एन.डी.एम.सी.) एवं नवयुग विद्यालयों में विभिन्न श्रेणियों में अधिकारियों और शिक्षकों के पद बड़ी संख्या में खाली हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके अलग-अलग क्या कारण हैं; और

(ग) सरकार ने शिक्षकों के सभी रिक्त पदों को भरने तथा अतिथि शिक्षकों को सभी सुविधाएं प्रदान करने और उनकी सेवाओं को नियमित करने के लिए क्या उपाय किए हैं?

**उत्तर**

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन)

**(क) और (ख) : जी, हां । दिल्ली नगर निगम ने सूचित किया है कि सभी तीनों दिल्ली नगर निगमों (डीएमसी) के शिक्षा विभाग/विद्यालयों में विभिन्न श्रेणियों के अन्तर्गत अधिकारियों और शिक्षकों के पद रिक्त हैं । रिक्त पदों के ब्यौरे निम्नानुसार है:-**

| क्रम संख्या | दिल्ली नगर निगम (डीएमसी) | रिक्त पदों की संख्या |
|---|---|---|
| 1 | उत्तरी दि० न० नि० | 1346 |
| 2 | दक्षिणी दि० न० नि० | 2779 |
| 3 | पूर्वी दि० न० नि० | 3155 |

**ऊपर उल्लिखित पद सेवानिवृत्ति, त्याग-पत्र, पदोन्नति इत्यादि की वजह से रिक्त हैं ।**

**नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने सूचित किया है कि एनडीएमसी और नवयुग विद्यालयों में शिक्षकों की रिक्तियों को पुनर्नियोजन/संविदा नियुक्तियों/अतिथि शिक्षकों द्वारा भर लिया गया है ।**

.....2/-

(ग) : एकीकृत निगम के शिक्षा विभाग ने नियमित आधार पर पदों को भरने के लिए अधीनस्थ सेवाएं चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) को 6500 शिक्षकों (प्राथमिक), 500 शिक्षकों (नर्सरी) और 1741 विशेष शिक्षकों के लिए मांग-पत्र अग्रेषित किया है । इसके अतिरिक्त, उत्तरी दिल्ली नगर निगम में 2340 शिक्षकों, दक्षिणी दिल्ली नगर निगम में 974 शिक्षकों और पूर्वी दिल्ली नगर निगम में 2084 शिक्षकों को संविदा आधार पर नियुक्त किया गया है । दिल्ली नगर निगम (डीएमसी) में कोई भी अतिथि शिक्षक नहीं है ।

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने सूचित किया है कि पदोन्नति और सीधी भर्ती के माध्यम से सीधी नियुक्ति एक अनवरत प्रक्रिया है । अतिथि शिक्षकों को रिक्त पदों के तहत नियुक्त किया गया है । नई दिल्ली नगर पालिका परिषद और नवयुग विद्यालयों में अतिथि शिक्षकों की सेवाओं को नियमित करने की कोई प्रक्रिया नहीं चल रही है और इन शिक्षकों को पारिश्रमिक के सिवाय कोई अन्य सुविधा प्रदान नहीं की जाती है ।

****